प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार का

सिख समुदाय के साथ अटूट सम्बन्ध

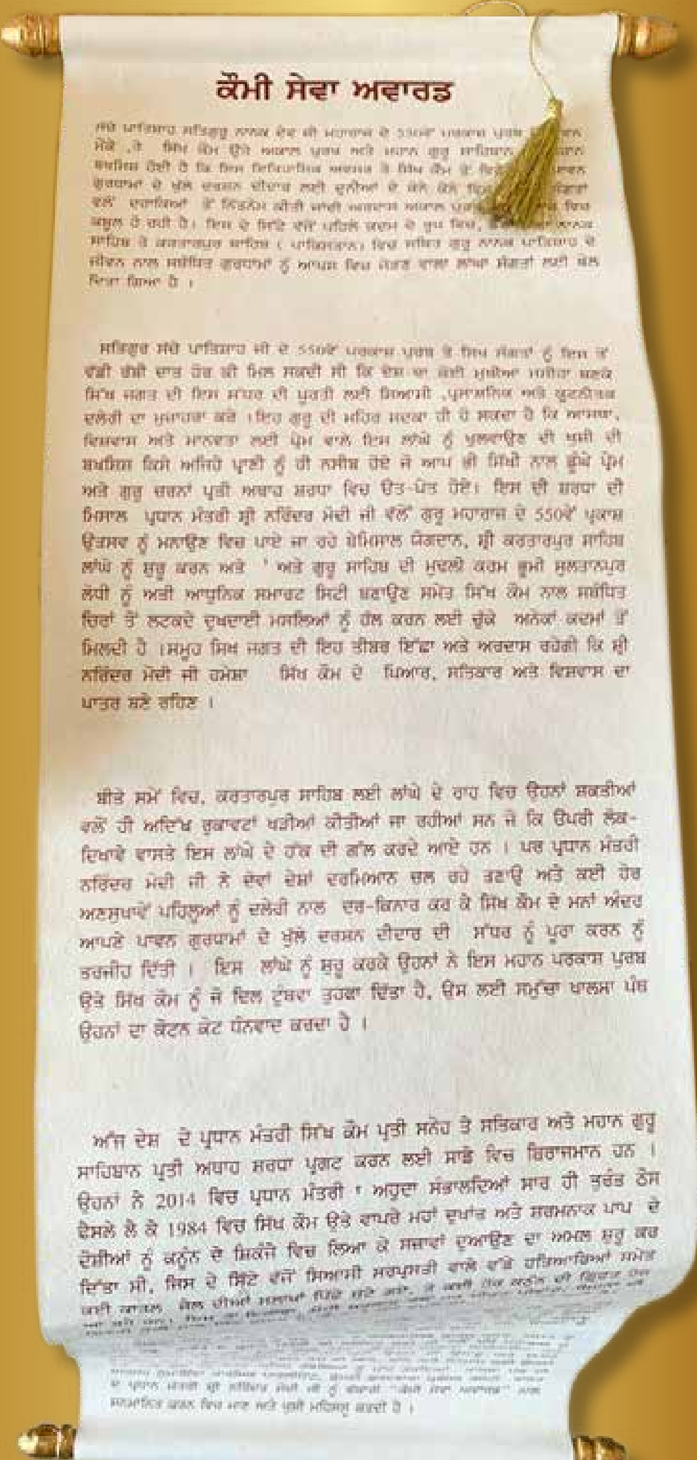

ਕੌਮੀ ਸੇਵਾ ਅਵਾਰਡ

ਸੱਚੇ ਪਾਤਿਸ਼ਾਹ ਸਤਿਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਜੀ ਮਹਾਰਾਜ ਦੇ 550ਵੇਂ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਪੁਰਬ [illegible] ਮੌਕੇ, ਤੇ ਸਿੱਖ ਕੌਮ ਉੱਤੇ ਅਕਾਲ ਪੁਰਖ ਅਤੇ ਮਹਾਨ ਗੁਰੂ ਸਾਹਿਬਾਨ [illegible] ਬਖਸ਼ਿਸ਼ ਹੋਈ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਇਤਿਹਾਸਿਕ ਅਵਸਰ ਤੇ ਸਿੱਖ ਕੌਮ ਦੇ ਵਿਛੋ[illegible] ਗੁਰਧਾਮਾਂ ਦੇ ਖੁੱਲੇ ਦਰਸ਼ਨ ਦੀਦਾਰ ਲਈ ਦੁਨੀਆਂ ਦੇ ਕੋਨੇ ਕੋਨੇ ਵਿ[illegible] ਵੱਲੋਂ ਦਹਾਕਿਆਂ ਤੋਂ ਨਿਰੰਤਰ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਅਰਦਾਸ ਅਕਾਲ ਪੁਰ[illegible] ਵਿਚ ਕਬੂਲ ਹੋ ਗਈ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਸਿੱਟੇ ਵਜੋਂ ਪਹਿਲੇ ਕਦਮ ਦੇ ਰੂਪ ਵਿਚ, [illegible] ਸਾਹਿਬ ਤੇ ਕਰਤਾਰਪੁਰ ਸਾਹਿਬ (ਪਾਕਿਸਤਾਨ) ਵਿਚ ਸਥਿਤ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਪਾਤਿਸ਼ਾਹ ਦੇ ਜੀਵਨ ਨਾਲ ਸਬੰਧਿਤ ਗੁਰਧਾਮਾਂ ਨੂੰ ਆਪਸ ਵਿਚ ਜੋੜਨ ਵਾਲਾ ਲਾਂਘਾ ਸੰਗਤਾਂ ਲਈ ਖੋਲ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ।

ਸਤਿਗੁਰ ਸੱਚੇ ਪਾਤਿਸ਼ਾਹ ਜੀ ਦੇ 550ਵੇਂ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਪੁਰਬ ਤੇ ਸਿੱਖ ਸੰਗਤਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਤੋਂ ਵੱਡੀ ਚੰਗੀ ਦਾਤ ਹੋਰ ਕੀ ਮਿਲ ਸਕਦੀ ਸੀ ਕਿ ਦੇਸ਼ ਦਾ ਕੋਈ ਮੁਖੀਆ ਮਹੀਨਾ ਬਲਕਿ ਸਿੱਖ ਜਗਤ ਦੀ ਇਸ ਸੱਧਰ ਦੀ ਪੂਰਤੀ ਲਈ ਸਿਆਸੀ ,ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਨਿਕ ਅਤੇ ਕੂਟਨੀਤਕ ਦਲੇਰੀ ਦਾ ਮੁਜ਼ਾਹਰਾ ਕਰੇ ।ਇਹ ਗੁਰੂ ਦੀ ਮਹਿਰ ਸਦਕਾ ਹੀ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ ਆਸਥਾ, ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਅਤੇ ਮਾਨਵਤਾ ਲਈ ਪ੍ਰੇਮ ਵਾਲੇ ਇਸ ਲਾਂਘੇ ਨੂੰ ਖੁਲਵਾਉਣ ਦੀ ਖੁਸ਼ੀ ਦੀ ਬਖਸ਼ਿਸ਼ ਕਿਸੇ ਅਜਿਹੇ ਪ੍ਰਾਣੀ ਨੂੰ ਹੀ ਨਸੀਬ ਹੋਏ ਜੋ ਆਪ ਵੀ ਸਿੱਖੀ ਨਾਲ ਡੂੰਘੇ ਪ੍ਰੇਮ ਅਤੇ ਗੁਰੂ ਚਰਨਾਂ ਪ੍ਰਤੀ ਅਥਾਹ ਸ਼ਰਧਾ ਵਿਚ ਓਤ-ਪੋਤ ਹੋਏ। ਇਸ ਦੀ ਸ਼ਰਧਾ ਦੀ ਮਿਸਾਲ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਸ਼੍ਰੀ ਨਰਿੰਦਰ ਮੋਦੀ ਜੀ ਵੱਲੋਂ ਗੁਰੂ ਮਹਾਰਾਜ ਦੇ 550ਵੇਂ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਉਤਸਵ ਨੂੰ ਮਨਾਉਣ ਵਿਚ ਪਾਏ ਜਾ ਰਹੇ ਬੇਮਿਸਾਲ ਯੋਗਦਾਨ, ਸ਼੍ਰੀ ਕਰਤਾਰਪੁਰ ਸਾਹਿਬ ਲਾਂਘੇ ਨੂੰ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰਨ ਅਤੇ ' ਅਤੇ ਗੁਰੂ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਮੁਢਲੀ ਕਰਮ ਭੂਮੀ ਸੁਲਤਾਨਪੁਰ ਲੋਧੀ ਨੂੰ ਅਤੀ ਆਧੁਨਿਕ ਸਮਾਰਟ ਸਿਟੀ ਬਣਾਉਣ ਸਮੇਤ ਸਿੱਖ ਕੌਮ ਨਾਲ ਸਬੰਧਿਤ ਚਿਰਾਂ ਤੋਂ ਲਟਕਦੇ ਦੁਖਦਾਈ ਮਸਲਿਆਂ ਨੂੰ ਹੱਲ ਕਰਨ ਲਈ ਚੁੱਕੇ ਅਨੇਕਾਂ ਕਦਮਾਂ ਤੋਂ ਮਿਲਦੀ ਹੈ ।ਸਮੂਹ ਸਿਖ ਜਗਤ ਦੀ ਇਹ ਤੀਬਰ ਇੱਛਾ ਅਤੇ ਅਰਦਾਸ ਰਹੇਗੀ ਕਿ ਸ਼੍ਰੀ ਨਰਿੰਦਰ ਮੋਦੀ ਜੀ ਹਮੇਸ਼ਾ ਸਿੱਖ ਕੌਮ ਦੇ ਪਿਆਰ, ਸਤਿਕਾਰ ਅਤੇ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਦਾ ਪਾਤਰ ਬਣੇ ਰਹਿਣ ।

ਬੀਤੇ ਸਮੇਂ ਵਿਚ, ਕਰਤਾਰਪੁਰ ਸਾਹਿਬ ਲਈ ਲਾਂਘੇ ਦੇ ਰਾਹ ਵਿਚ ਉਹਨਾਂ ਸ਼ਕਤੀਆਂ ਵਲੋਂ ਹੀ ਅਦਿੱਖ ਰੁਕਾਵਟਾਂ ਖੜੀਆਂ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾ ਰਹੀਆਂ ਸਨ ਜੋ ਕਿ ਉਪਰੀ ਲੋਕ-ਦਿਖਾਵੇ ਵਾਸਤੇ ਇਸ ਲਾਂਘੇ ਦੇ ਹੱਕ ਦੀ ਗੱਲ ਕਰਦੇ ਆਏ ਹਨ । ਪਰ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਨਰਿੰਦਰ ਮੋਦੀ ਜੀ ਨੇ ਦੋਵਾਂ ਦੇਸ਼ਾਂ ਦਰਮਿਆਨ ਚਲ ਰਹੇ ਤਣਾਉ ਅਤੇ ਕਈ ਹੋਰ ਅਣਸੁਖਾਵੇਂ ਪਹਿਲੂਆਂ ਨੂੰ ਦਲੇਰੀ ਨਾਲ ਦਰ-ਕਿਨਾਰ ਕਰ ਕੇ ਸਿੱਖ ਕੌਮ ਦੇ ਮਨਾਂ ਅੰਦਰ ਆਪਣੇ ਪਾਵਨ ਗੁਰਧਾਮਾਂ ਦੇ ਖੁੱਲੇ ਦਰਸ਼ਨ ਦੀਦਾਰ ਦੀ ਸੱਧਰ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕਰਨ ਨੂੰ ਤਰਜੀਹ ਦਿੱਤੀ । ਇਸ ਲਾਂਘੇ ਨੂੰ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰਕੇ ਉਹਨਾਂ ਨੇ ਇਸ ਮਹਾਨ ਪਰਕਾਸ਼ ਪੁਰਬ ਉਤੇ ਸਿੱਖ ਕੌਮ ਨੂੰ ਜੋ ਦਿਲ ਟੁੰਬਵਾਂ ਤੁਹਫਾ ਦਿੱਤਾ ਹੈ, ਉਸ ਲਈ ਸਮੁੱਚਾ ਖਾਲਸਾ ਪੰਥ ਉਹਨਾਂ ਦਾ ਕੋਟਾਨ ਕੋਟ ਧੰਨਵਾਦ ਕਰਦਾ ਹੈ ।

ਅੱਜ ਦੇਸ਼ ਦੇ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਸਿੱਖ ਕੌਮ ਪ੍ਰਤੀ ਸਨੇਹ ਤੇ ਸਤਿਕਾਰ ਅਤੇ ਮਹਾਨ ਗੁਰੂ ਸਾਹਿਬਾਨ ਪ੍ਰਤੀ ਅਥਾਹ ਸ਼ਰਧਾ ਪ੍ਰਗਟ ਕਰਨ ਲਈ ਸਾਡੇ ਵਿਚ ਬਿਰਾਜਮਾਨ ਹਨ । ਉਹਨਾਂ ਨੇ 2014 ਵਿਚ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ' ਅਹੁਦਾ ਸੰਭਾਲਦਿਆਂ ਸਾਰ ਹੀ ਤੁਰੰਤ ਠੋਸ ਫੈਸਲੇ ਲੈ ਕੇ 1984 ਵਿਚ ਸਿੱਖ ਕੌਮ ਉਤੇ ਵਾਪਰੇ ਮਹਾਂ ਦੁਖਾਂਤ ਅਤੇ ਸ਼ਰਮਨਾਕ ਪਾਪ ਦੇ ਦੋਸ਼ੀਆਂ ਨੂੰ ਕਨੂੰਨ ਦੇ ਸ਼ਿਕੰਜੇ ਵਿਚ ਲਿਆ ਕੇ ਸਜ਼ਾਵਾਂ ਦੁਆਉਣ ਦਾ ਅਮਲ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਸੀ, ਜਿਸ ਦੇ ਸਿੱਟੇ ਵਜੋਂ ਸਿਆਸੀ ਸਰਪ੍ਰਸਤੀ ਵਾਲੇ ਵੱਡੇ ਹਤਿਆਰਿਆਂ ਸਮੇਤ [illegible]

[illegible]

[illegible] ਦੇ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਸ਼੍ਰੀ ਨਰਿੰਦਰ ਮੋਦੀ ਜੀ ਨੂੰ ਕੌਮੀ "ਕੌਮੀ ਸੇਵਾ ਅਵਾਰਡ" ਨਾਲ ਸਨਮਾਨਿਤ ਕਰਨ ਵਿਚ ਮਾਣ ਅਤੇ ਖੁਸ਼ੀ ਮਹਿਸੂਸ ਕਰਦੀ ਹੈ ।

9 नवम्बर, 2019 को श्री करतारपुर साहिब गलियारे के उद्घाटन के ऐतिहासिक मौके पर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिए गए 'कौमी सेवा पुरस्कार' का प्रशंसा-पत्र

कौमी सेवा पुरस्कार

सच्चे पातशाह सतिगुरु नानक देव जी महाराज के 550वें प्रकाश पर्व के पावन मौके पर सिख कौम पर अकाल पुरख एवं महान गुरु साहिबान की महान बख़्शिश हुई है कि इस ऐतिहासिक अवसर पर सिख कौम से अलग किए गए पावन गुरधामों के खुले दर्शन दीदार के लिए दुनिया के कोने-कोने में समूह संगत द्वारा दशकों से नितनेम की जाती अरदास अकाल पुरख की दरगाह में कबूल हो रही है। इसी के परिणामस्वरूप पहले कदम के रूप में, डेरा बाबा नानक साहिब व करतारपुर साहिब (पाकिस्तान) में स्थित गुरु नानक पातशाह के जीवन से संबंधित गुरधामों को आपस में जोड़ने वाला गलियारा संगतों के लिए खोल दिया गया है।

सतिगुर सच्चे पातशाह जी के 550वें प्रकाश पर्व पर सिख संगतों को इस से बड़ा ईश्वरीय उपहार और क्या मिल सकता था कि देश का कोई मुखिया मसीहा बन कर सिख जगत की इस इच्छा की पूर्ति के लिए राजनीतिक, प्रशासनिक एवं कूटनीतिक वीरता का प्रदर्शन करे। यह गुरु की मेहर की बदौलत ही हो सकता है कि आस्था, विश्वास व मानवता के लिए प्रेम वाले इस गलियारे को खुलवाने की प्रसन्नता की बख़्शिश किसी ऐसे प्राणी को ही नसीब हो जो स्वयं भी सिखी से अथाह प्रेम व गुरु चरणों के प्रति अथाह श्रद्धा में ओत-प्रोत हो। इस श्रद्धा की मिसाल

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा गुरु महाराज के 550वें प्रकाश पर्व को मनाने में डाले जा रहे बेमिसाल योगदान, श्री करतारपुर साहिब गलियारे को प्रारंभ करने एवं गुरु साहिब की प्राथमिक कर्म-भूमि सुल्तानपुर लोधी को अत्याधुनिक स्मार्ट-सिटी बनाने सहित सिख कौम से संबंधित चिर-प्रतीक्षित दुःखदायक समस्याओं के समाधान हेतु उठाए अनेक कदमों से मिलती है। समूह सिख जगत की यह तीव्र इच्छा एवं अरदास रहेगी कि श्री नरेन्द्र मोदी जी सदैव सिख कौम के प्यार, आदर एवं विश्वास के पात्र बने रहें।

बीते समय में, श्री करतारपुर साहिब गलियारे के रास्ते में उन शक्तियों द्वारा ही अदृश्य रुकावटें खड़ी की जा रही थीं, जो ऊपरी आडम्बर हेतु इस गलियारे के पक्ष की बात करती आई हैं। परन्तु प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने दोनों देशों के मध्य चल रहे तनाव व कई अन्य असुखद पक्षों को दलेरी से भुला कर सिख कौम के मनों के भीतर अपने पावन गुरधामों के खुले दर्शन-दीदार की इच्छा पूर्ण करने को प्राथमिकता दी। इस गलियारे को प्रारंभ करके उन्होंने इस महान प्रकाश पर्व पर सिख कौम को जो हार्दिक उपहार दिया है, उसके लिए समस्त ख़ालसा पंथ उनका कोटि-कोटि धन्यवाद करता है।

आज देश के प्रधानमंत्री सिख कौम के प्रति स्नेह व आदर तथा महान गुरु साहिबान के प्रति अथाह श्रद्धा प्रकट करने हेतु हमारे बीच विराजमान हैं। उन्होंने 2014 में प्रधानमंत्री का पद संभालते ही तुरंत ठोस निर्णय लेकर 1984 में सिख कौम पर बीते महादुखांत एवं शर्मनाक पाप के आरोपियों को कानून के शिकंजे में लाकर दण्ड दिलवाने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी थी, जिसके परिणामस्वरूप राजनीतिक संरक्षण-प्राप्त बड़े हत्यारों सहित कई कातिल जेल

की सलाखों के पीछे लाए गए तथा कई अन्य कानून की गिरफ़्त में आ रहे हैं। इसके अतिरिक्त, मोदी सरकार द्वारा प्रत्येक पीड़ित परिवार, जिन की संख्या कोई साढ़े तीन हज़ार है, को 5-5 लाख रुपए की राहत दी गई है।

पिछली कुछ सरकारों के दौरान, पंजाब के काले दिनों की आड़ में विदेशों में हज़ारों प्रवासी सिखों व उनके परिवारों को काली सूचियों में शामिल करके उन्हें परेशान किया जाता था। मोदी जी ने वे काली सूचियां समाप्त करने के आदेश जारी किए तथा यह भी निर्णय लिया कि जो सिख लोग पंजाब में काले दिनों के दौरान सरकारी अत्याचार के कारण अन्य देशों में शरणार्थी के तौर पर रह रहे हैं, उनके बच्चों सहित परिवारों को भारत का वीज़ा जारी किया जाए।

श्री करतारपुर साहिब गलियारा प्रारंभ करने के ऐतिहासिक कार्य सहित 2014 से आज तक भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा पंथ महाराज के पावन निशान जुगो-जुग तक लहराने हेतु की गईं ऐतिहासिक एवं ज़रूरतमन्दाना पहलकदमियां एवं कौम के प्रति उनकी सृजनशील एवं गरिमापूर्ण दोस्ताना सोच व भावना तथा सिख कौम की आन, शान एवं सम्मान के लिए उनके द्वारा किए गए महत्त्वपूर्ण प्रयासों के मद्देनज़र ख़ालसा पंथ की सर्वोच्च प्रतिनिधि धार्मिक पार्लियामेंट, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को प्रतिष्ठित "कौमी सेवा पुरस्कार" से सम्मानित करने में गर्व एवं खुशी महसूस करती है।

विषय-सूची

1 वैश्विक संगत को भागीदारी की अनुमति देते हुए श्री हरमंदिर साहिब को एफसीआरए पंजीकरण की स्वीकृति दी गई 01

2 पहली बार, लंगर पर किसी भी तरह का कोई कर नहीं 03

3 श्री करतारपुर साहिब गलियारा: श्री गुरु नानक देव जी के आशीर्वाद के लिए निर्बाध पहुंच की सुविधा 05

4 श्री गुरु नानक देव जी को नमन, तीर्थयात्रियों और पर्यटकों के लिए बुनियादी ढांचे का विकास करना 09

5 श्री गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं पर शोध को प्रोत्साहन देना 11

6 श्री गुरु नानक देव जी के संदेश का विश्व भर में प्रसार करना 13

7 श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के 350वीं जयंती पर भव्य प्रकाश पर्व 17

8 'ब्लैकलिस्ट' को समाप्त किया गया और सहयोग का हाथ बढ़ाया गया 19

9 सिखों की लंबे समय से लंबित मांगों को विभिन्न उपायों से पूरा किया गया 21

10 दंगा पीड़ितों के आंसू पोंछना : तीन दशकों तक नकारे जाने के बाद मिला न्याय 23

11 सिख विरासत का दुनियाभर में प्रचार 27

12 जलियांवाला बाग स्मारक- बलिदान का आदर, स्मृतियों का सम्मान 29

13 सिख युवाओं को अवसर प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाना 31

“

श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की पवित्र शिक्षाएं संपूर्ण विश्व को प्रकाशमान करती हैं। इनसे प्रेरणा लेकर सिखों ने वैश्विक स्तर पर कई क्षेत्रों में अग्रणी सेवा की है। उनका साहस और करुणा उल्लेखनीय है। श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी मानवता के लिए सदैव अपना मार्गदर्शन प्रदान करते रहें।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सिखों के साथ विशेष संबंध को समुदाय और पवित्र गुरुओं के प्रति उनके व्यक्तिगत भाव के साथ-साथ सिख समुदाय को सशक्त बनाने की दिशा में उनकी सरकार के कार्य के रूप में देखा जाता है। उन्होंने गुरुओं के प्रति अत्यंत सम्मान व्यक्त किया है जबकि सिखों की बहादुरी, साहस और महान भावना की हमेशा प्रशंसा की है। प्रधानमंत्री के इस तरह के भाव के साथ, इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि सरकार ने सिखों के कल्याण के लिए कई संस्थागत उपाय किए हैं।

श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के 350वें प्रकाश पर्व पर श्री गुरु ग्रन्थ साहिब जी के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए

चाहे श्री गुरु नानक देव जी की 550वीं जयंती या श्री गुरु गोबिंद सिंह जी की 350वीं जयंती जैसे पावन अवसरों के उत्सव के बारे में हो, चाहे 1984 के दंगों के पीड़ितों के बारे में हो या श्री करतारपुर साहिब गलियारे के निर्माण के बारे में हो, प्रधानमंत्री मोदी ने व्यक्तिगत रुचि ली है और सिख समुदाय के लिए काम करने का मार्ग प्रशस्त किया है।

आइए मोदी सरकार द्वारा सिखों के कल्याण के लिए उठाए गए कदमों पर एक नज़र डालते हैं।

सिख समुदाय के लोगों के साथ

"स्वर्ण मंदिर एक पवित्र स्थल है क्योंकि यह शांति और मानवतावाद का प्रतीक है।

1

वैश्विक संगत को भागीदारी की अनुमति देते हुए श्री हरमंदिर साहिब को एफसीआरए पंजीकरण की स्वीकृति दी गई

मोदी सरकार ने सितंबर 2020 में सचखंड श्री हरमंदिर साहिब, श्री दरबार साहिब, पंजाब के पंजीकरण को सुनिश्चित किया

हरमंदिर साहिब अब एफसीआरए, 2010 के प्रावधानों के अनुपालन में विदेशी योगदान को प्राप्त करने और उनका उपयोग करने में सक्षम है।

वैश्विक सिख संगत को सेवा में शामिल होने, अपनी आध्यात्मिक आवश्यकताओं को पूर्ण करने का अवसर प्रदान किया।

सरकार के लिए यह आवश्यक है कि वैश्विक सिख संगत की आध्यात्मिक आवश्यकताओं को बिना किसी बाधा के पूरा किया जाए

अमृतसर स्थित श्री हरमंदिर साहिब में लंगर में

“एक ओर, श्री गुरु नानक देव जी ने सामाजिक दर्शन के माध्यम से समाज को एकता, बंधुत्व और सद्भाव का मार्ग दिखाया; तो दूसरी ओर, उन्होंने समाज के लिए सत्य, निष्ठा और स्वाभिमान पर आधारित एक आर्थिक व्यवस्था प्रस्तुत की। उन्होंने हमें सिखाया कि सत्य और निष्ठा के माध्यम से किया गया प्रत्येक कर्म हमेशा प्रगति और समृद्धि के मार्ग की ओर ले जाता है।

2

पहली बार, लंगर पर किसी भी तरह का कोई कर नहीं

सिख समुदाय की सेवा की भावना को अच्छी तरह से जाना जाता है और उसकी बहुत सराहना की जाती है। महान गुरुओं के पदचिन्हों पर चलकर लंगर की परंपरा भूखे और जरूरतमंद लोगों की देखभाल करती है

'सेवा भोज योजना' के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्रदान करते हुए, मोदी सरकार ने लंगर पदार्थों पर जीएसटी को माफ किया।

लंगरों में उपयोग होने वाले खाद्य पदार्थों पर केन्द्रीय जीएसटी और आईजीएसटी के लिए होने वाले ₹325 करोड़ के वार्षिक परिव्यय को लौटाया जाएगा

इससे प्रतिदिन लगभग 1 करोड़ लोगों को निःशुल्क भोजन परोसने वाले गुरुद्वारों को व्यापक लाभ मिलेगा।

श्री करतारपुर साहिब गलियारे के उद्घाटन पर

"श्री करतारपुर साहिब गलियारा लाखों तीर्थयात्रियों और श्री गुरु नानक देव जी के बीच जुड़ाव को मजबूत करेगा। इस गलियारे का उद्घाटन करना मेरे लिए सम्मान की बात है।

3

श्री करतारपुर साहिब गलियारा: श्री गुरु नानक देव जी के आशीर्वाद के लिए निर्बाध पहुंच की सुविधा

मोदी सरकार ने पंजाब के गुरदासपुर में डेरा बाबा नानक से श्री करतारपुर साहिब गलियारे के विकास पर काम किया और इसके लिए 120 करोड़ रुपये की धनराशि भी आवंटित की।

पाकिस्तान स्थित गुरुदारा श्री करतारपुर साहिब की यात्रा के लिए यह भारतीय क्षेत्र से पाकिस्तान में जाने में तीर्थयात्रियों की सहायता करता है।

सभी आधुनिक सुविधाओं के साथ सुगम और आसान मार्ग प्रदान करने के लिए एकीकृत विकास परियोजना

इसमें प्रतिदिन 15,000 से अधिक तीर्थयात्रियों की व्यवस्था के लिए बनाए गए यात्री टर्मिनल सहित अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा है।

श्री करतारपुर साहिब गलियारे के उद्घाटन से पहले प्रधानमंत्री मोदी सुल्तानपुर लोधी, पंजाब के श्री बेर साहिब गुरुद्वारे में

श्री करतारपुर साहिब गलियारे में प्रधानमंत्री मोदी

श्री करतारपुर साहिब गलियारे पर बने यात्री टर्मिनल का निरीक्षण करते हुए

" श्री गुरु नानक देव जी ने हमें सत्य, धार्मिकता और करुणा के मार्ग पर चलने की शिक्षा दी। वह समाज से अन्याय और असमानता को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध थे।

4

श्री गुरु नानक देव जी को नमन, तीर्थयात्रियों और पर्यटकों के लिए बुनियादी ढांचे का विकास करना

श्री गुरु नानक देव जी की 550वीं जयंती पर, सुल्तानपुर लोधी, जहां उन्होंने अपना अधिकांश जीवन व्यतीत किया, को एक विरासत शहर के रूप में विकसित किया गया।

सुल्तानपुर लोधी रेलवे स्टेशन का आधुनिकीकरण किया गया।

सप्ताह में पांच दिन श्री गुरु नानक देव जी से जुड़े स्थलों से होकर गुजरने वाली एक विशेष रेलगाड़ी।

श्री करतारपुर साहिब (पाकिस्तान में स्थित) का दर्शन और आशीर्वाद प्राप्त करने हेतु भक्तों के लिए उच्च-क्षमतायुक्त दूरबीन।

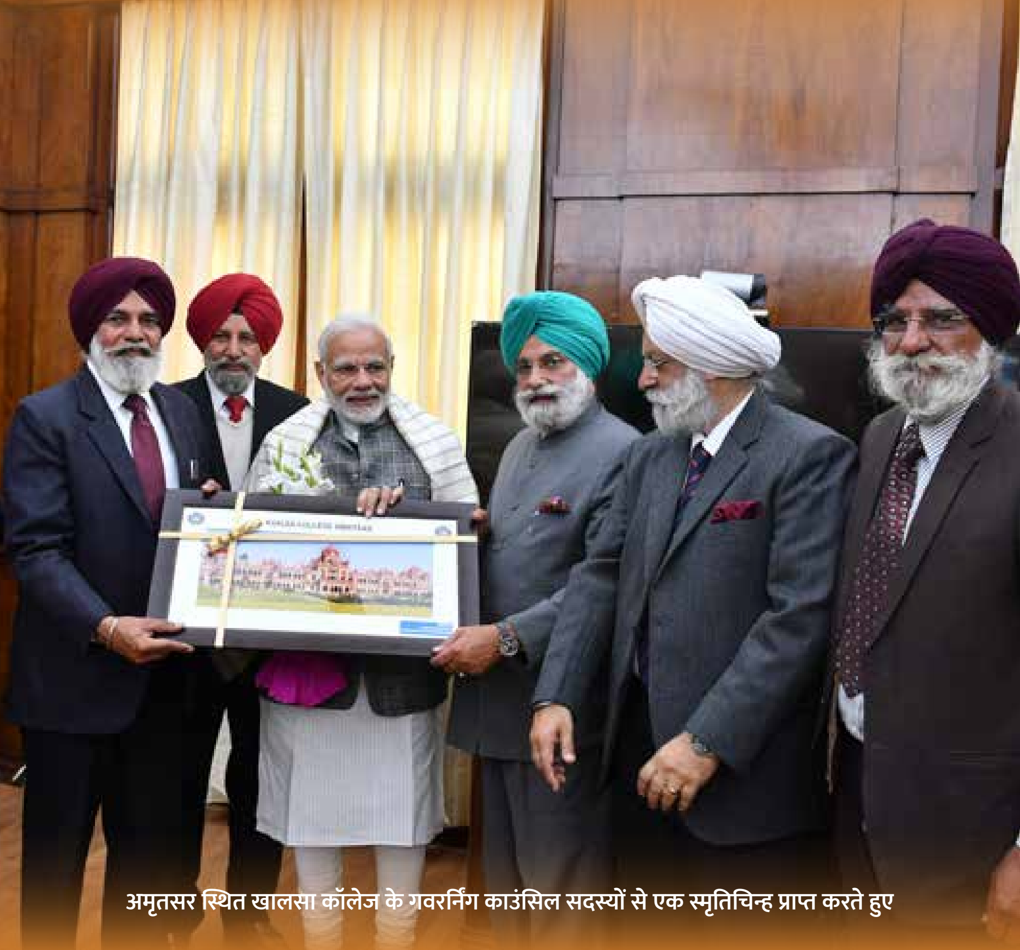

अमृतसर स्थित खालसा कॉलेज के गवरनिंग काउंसिल सदस्यों से एक स्मृतिचिन्ह प्राप्त करते हुए

"श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी हमें सेवा, करुणा और सदभाव सिखाते हैं। यह एक न्यायसंगत और समान समाज की संरचना करते हैं। यह हमें कभी भी अन्याय के समक्ष झुकना नहीं सिखाते।

5

श्री गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं पर शोध को प्रोत्साहन

बंधुत्व और विविधता को प्रोत्साहन देने के लिए अमृतसर में गुरु नानक देव विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय अंतर-धर्म अध्ययन संस्थान की स्थापना की जा रही है। इसके लिए 67 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए।

यूके के एक विश्वविद्यालय में श्री गुरु नानक देव जी पर एक चेयर की स्थापना की गई। कनाडा में दूसरी चेयर के लिए विचार-विमर्श जारी है।

शैक्षिक गतिविधियां जैसे सेमिनार, कार्यशालाएं, व्याख्यान देशभर में आयोजित किए गए।

वैंकूवर, कनाडा के ऐतिहासिक गुरुद्वारा खालसा दीवान में

“श्री गुरु नानक देव जी से श्री गुरु गोबिंद सिंह जी तक, प्रत्येक गुरु साहिब ने अथक प्रयास किए हैं, भारत की एकता, रक्षा और सुरक्षा के लिए बहुत से बलिदान दिए हैं। यही परंपरा सिख साथियों द्वारा स्वतंत्रता संग्राम और स्वतंत्र भारत की रक्षा के लिए पूर्ण जोश के साथ निभाई गई।

6

श्री गुरु नानक देव जी के संदेश का विश्व भर में प्रसार करना

नई दिल्ली में आईसीसीआर द्वारा श्री गुरु नानक देव जी के जीवन और शिक्षाओं पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई

श्री गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं को सभी तक पहुंचाने के लिए गुरबानी का प्रकाशन विभिन्न भाषाओं में किया जा रहा है।

मोदी सरकार की अपील पर, यूनेस्को उनके लेखन को विदेशी भाषाओं में प्रकाशित करने के लिए कदम उठा रहा है।

विदेशों में भारतीय मिशनों ने श्री गुरु नानक देव जी की 550वीं जयंती के अवसर पर विशेष आयोजन किए।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर वर्ष भर कीर्तन, कथा, प्रभात-फेरी, लंगर इत्यादि का आयोजन किया गया।

21 सितंबर 2019 के हाउडी मोदी! कार्यक्रम के दौरान ह्यूस्टन में सिख समुदाय द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को सम्मानित किया गया

2016 में तेहरान में भाई गंगा सिंह सभा गुरुद्वारे में सरोपा और कृपाण की भेंट स्वीकार करते हुए

गुरुद्वारा पटना साहिब में श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के 350वीं जयंती समारोह में

> श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का पूरा जीवन लोगों की सेवा और सत्य, न्याय एवं करुणा के जीवन-मूल्यों के लिए समर्पित रहा।

7

श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के 350वीं जयंती पर भव्य प्रकाश पर्व

समारोहों के लिए 100 करोड़ रुपये का आवंटन।

रेलवे को इस अवसर पर विविध सुविधाएं प्रदान करने के लिए 40 करोड़ रुपये का बजट।

समारोह के अवसर पर 350 रुपये का स्मारक सिक्का जारी।

पटना में इस अवसर पर स्मारक डाक टिकट जारी।

श्री अकाल तख्त साहिब, श्री दमदमा साहिब, श्री केशगढ़ साहिब, श्री पटना साहिब और श्री हजूर साहिब के बीच कनेक्टिविटी में सुधार के कदम।

प्रधानमंत्री मोदी ने श्री गुरु गोबिंद सिंह जी की स्मृति में जामनगर में 750 बिस्तरों वाले एक अस्पताल का उद्घाटन किया।

तीर्थ यात्रियों के लिए अमृतसर से नांदेड़ तक विशेष उड़ान।

ह्यूस्टन में 'हाउडी मोदी' कार्यक्रम के अवसर पर

"जब लोग भारत में आए तो बहुत वर्षों तक उन्होंने बहुत सी समस्याओं का सामना किया। ब्लैकलिस्ट में से उनके नाम हटाने से बहुत से परिवार अब वीजा और ओसीआई कार्ड के लिए आवेदन कर सकेंगे। अब वे भारत में अपने रिश्तेदारों से मिल सकेंगे और विभिन्न गुरुद्वारों की यात्रा कर अरदास कर सकेंगे।

8

‘ब्लैकलिस्ट’ को समाप्त किया गया और सहयोग का हाथ बढ़ाया गया

अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और अन्य देशों में रह रहे विदेशी नागरिकता प्राप्त कई सिखों के नाम केन्द्रीय प्रतिकूलता सूची या ‘ब्लैकलिस्ट’ में थे ।

मोदी सरकार ने इसमें बहुत कटौती की और अब यह 314 से 2 पर आ गई है।

‘ब्लैकलिस्ट’ से नाम हटने से इन लोगों को अपने परिवारों से मिलने, भारतीय वीजा और ओसीआई कार्ड हासिल की सुविधा मिली।

सिख काउंसिल, निष्काम सेवक जत्था अमेरिका के प्रमुख गुरुद्वारों के प्रतिनिधियों, काउंसलर समुदाय, चैरिटी संस्थाओं, स्वयं सेवी समूहों के प्रतिनिधियों और व्यवसायियों के एक सिख प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री मोदी से 2015 में उनकी लंदन यात्रा के दौरान भेंट की, जिसमें ब्लैकलिस्ट से लोगों के नाम हटाने समेत कई मुद्दों पर बात हुई। मोदी सरकार ने यह काम तत्परता से पूरा किया।

"श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के जीवन और आदर्श हमेशा प्रेरणा देते रहेंगे। वे अद्भुत साहस और बलिदान की भावना के प्रतीक थे।

9

सिखों की लंबे समय से लंबित मांगों को विभिन्न उपायों से पूरा किया गया

नागरिकता संशोधन कानून के तहत अफगानिस्तान और पाकिस्तान के उन सिख शरणार्थियों को भारत की नागरिकता पाने में मदद मिली है, जिन्हें जबरन धर्म बदलना या आतंकवाद आदि का शिकार होना पड़ा था।

अनुच्छेद 370 को समाप्त किये जाने से सिख अल्पसंख्यकों को जम्मू-कश्मीर में समान अधिकार मिले; इसके साथ ही 1947 में पश्चिमी पाकिस्तान से आए सिख शरणार्थियों को आवास प्रमाण पत्र जारी किए गए।

सिख गुरुद्वारा (संशोधन) कानून 2016 में सुधार किया गया और शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के चुनावों में भागीदारी करने की उनकी मांग पूरा करने का प्रावधान किया गया।

संगत मर्यादा के अनुरूप ऐसे लोग जो अपनी दाढ़ी साफ करा देते हैं, सिगरेट पीते हैं या शराब का सेवन करते हैं, उन्हें एसजीपीसी चुनावों का मतदाता नहीं माना जाएगा।

"हजारों लोगों की मौत हुई और जिंदा जला दिए गए, असंख्य परिवार नष्ट हो गए और फिर भी कुछ लोग इस बारे में ढिठाई से बात करते हैं। 1984 में जो कुछ भी हुआ उसने मानवता को शर्मसार कर दिया। आपके इस चौकीदार ने आपको न्याय दिलाने का वादा किया था। मैंने आपसे वादा किया था कि मैं आपको न्याय दिलाने के लिए संघर्ष करूंगा। आज मैं संतोष के साथ यह कह सकता हूं कि एक दोषी को मौत की सजा मिल चुकी है और शेष को आजीवन कारावास की सजा मिली है और जो शेष हैं वे भी ज्यादा दिन तक बच नहीं सकेंगे।

10

दंगा पीड़ितों के आंसू पोंछना: तीन दशकों तक नकारे जाने के बाद मिला न्याय

मोदी सरकार ने सिखों को न्याय सुनिश्चित करने के लिए काम किया है। उन्होंने 1984 के सिख विरोधी दंगा मामलों में जांच की परिधि को बढ़ाकर विशेष जांच दल (एसआईटी) को उन सभी मामलों की दोबारा से जांच करने को कहा, जिनमें सुनवाई पूरी हो चुकी थी और आरोपियों को बरी किया जा चुका था।

दोषियों को न्याय के कटघरे में लाना

1984 के सिख विरोधी दंगे को भड़काने वाले लोगों को करीब 30 वर्ष तक निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा संरक्षण दिया गया।

मोदी सरकार द्वारा गठित एसआईटी के जरिए फिर से जांच कराई गई; इसने करीब 80 मामलों को जांच के लिए फिर से खोला।

इतने समय तक न्याय के शिकंजे से बचते रहे बड़े राजनीतिक नेताओं पर एसआईटी के गठन के 3 साल के भीतर मुकदमा चलाया गया। 2014 से पहले किसी ने सोचा नहीं था कि इन राजनीतिक नेताओं को कभी भी अपराधी ठहराया जा सकेगा।

प्रधानमंत्री मोदी 1984 दंगे के पीड़ितों से मिलते हुए।

जहां अन्य लोगों ने सिख समुदाय को न्याय से वंचित रखा, मोदी सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि इस दंगे के पीड़ितों लोग और प्रभावित परिवारों को न्याय मिले।

भारत भर में दंगे के पीड़ितों को मुआवजा मिला :

1984 के दंगे के पीड़ितों के नजदीकी रिश्तेदारों को 5 लाख रुपये की अतिरिक्त राशि प्रदान की गई।

दंगा प्रभावित वे 1,020 परिवार, जो भारत के विभिन्न हिस्सों से हिंसा के कारण पंजाब जाकर बस गए थे, उन्हें केन्द्र प्रायोजित पुनर्वास योजना के तहत प्रति व्यक्ति दो लाख रुपये प्रदान किए गए।

अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ़ गनी के साथ अमृतसर के श्री हरमंदिर साहिब में।

> श्री गुरु नानक देव जी सिर्फ सिख धर्म मानने वालों और भारत की ही विरासत नहीं हैं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। गुरु नानक देव जी गुरु होने के अलावा एक विचार हैं और जीवन का आधार हैं।

11

सिख विरासत का दुनियाभर में प्रचार

पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना के तहत आनंदपुर साहिब-फतेहगढ़ साहिब-चमकौर साहिब-फिरोजपुर-अमृतसर-खटकरकलां-कलानौर-पटियाला विरासत सर्किट के विकास को मंजूरी दी।

श्री गुरु नानक देव जी की 550वीं जयंती के अवसर पर सुल्तानपुर लोधी और 12 अन्य स्थानों पर 'मल्टीमीडिया प्रदर्शनी' का अयोजन किया गया।

अमृतसर और नांदेड़ के बीच विशेष उड़ान के जरिए हवाई संपर्क शुरू।

अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ़ गनी की राजकीय यात्रा के दौरान उनके अमृतसर स्थित श्री हरमंदिर साहिब के दौरे की व्यवस्था की गई।

अमृतसर के जलियांवाला बाग में

“भयावह जलियांवाला बाग नरसंहार के 100 वर्ष पूरे होने पर, भारत उस दु:खद दिन शहीद हुए सभी लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करता है। उनके साहस और बलिदान को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। उनकी स्मृति हमें एक ऐसे भारत का निर्माण करने के लिए और अधिक परिश्रम करने की प्रेरणा देती है, जिसे देखकर उन्हें गर्व महसूस होता।

12

जलियांवाला बाग स्मारक-बलिदान का आदर, स्मृतियों का सम्मान

मोदी सरकार ने राष्ट्रीय स्मारक बनाने के लिए जलियांवाला बाग राष्ट्रीय स्मारक (संशोधन) विधेयक 2019 पेश किया।

इस घटना के 100 साल पूरे होने पर, शहीदों के बलिदान के प्रति आदर व्यक्त करने के लिए लोकसभा ने इस विधेयक को पारित किया।

इस विधेयक से इस स्मारक से सम्बद्ध ट्रस्ट के कामकाज में सुधार आने और इसे एक अराजनैतिक संस्था का स्वरूप मिलने की उम्मीद है।

नई दिल्ली के हुनर हाट में सिख कारीगर के साथ

आइये आज इस महत्वपूर्ण और पवित्र मंच पर हम यह शपथ लें कि हम श्री गुरु नानक देव जी के शब्दों को अपने जीवन में उतारेंगे। हम समाज में समरसता का माहौल बनाने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे।

13

सिख युवाओं को अवसर प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाना

2014 से पहले सिर्फ 18 लाख सिख छात्रों को छात्रवृत्तियां दी जाती थीं, लेकिन मोदी सरकार ने करीब 31 लाख सिख छात्रों को मैट्रिक पूर्व/बाद और मेरिट-कम-मीन्स छात्रवृत्तियां देना सुनिश्चित किया।

हुनर हाट, गरीब नवाज़ रोजगार योजना, सीखो और कमाओ तथा नई मंजिल जैसी योजनाओं के जरिए लाभान्वित होने वाले 10 लाख लोगों में से सिख युवकों की काफी संख्या है।

प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के तहत 24 प्रतिशत से ज्यादा निम्नलिखित अवसंरचनात्मक कार्य सिख बसावट वाले इलाकों में किए गए।

1,517 स्कूलों की नई इमारतें बनाई गईं	6 नवोदय विद्यालय
646 छात्रावास	403 बहुपयोगी सामुदायिक केन्द्र
163 आवासीय स्कूल	598 मार्केट शेड्स
8,820 स्मार्ट कक्षाएं	5,299 शौचालय एवं जल सुविधाएं
32 कॉलेज	143 सामान्य सेवा केंद्र
94 आईटीआई	22 कामकाजी महिला हॉस्टल

हर स्थिति में सचेत रहना

गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यकाल के दौरान सिख समुदाय की ओर से एक कार्यक्रम में नरेन्द्र मोदी को सिरोपा देकर सम्मानित किया गया।

गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर कार्यकाल के दौरान नरेन्द्र मोदी एक कार्यक्रम के लिए गुरुद्वारे गए।

न्यूयॉर्क, अमेरिका में सिखों के एक समूह ने 28 सितम्बर, 2014 को प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की और उनके प्रति एकजुटता व्यक्त की।

गुजरात में नये वर्ष के एक कार्यक्रम के दौरान राज्य के मुख्यमंत्री की हैसियत से नरेन्द्र मोदी सिख समुदाय के प्रतिनिधियों से एक स्मृति चिन्ह स्वीकार करते हुए।

सितम्बर, 2015 में सैन होज़े, अमेरिका में प्रधानमंत्री मोदी सिख समुदाय के प्रतिनिधियों से मिलते हुए।

16 अप्रैल, 2015 को वैंकूवर, कनाडा के रॉस स्ट्रीट पर गुरुद्वारा खालसा दीवान में प्रधानमंत्री मोदी का सम्मान किया गया।

सत्यमेव जयते

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
MINISTRY OF
INFORMATION AND BROADCASTING